वर्ष के बजट में इसके लिए कितना प्रावधान किया गया है तथा इसके निर्माण कार्य में कितनी प्रगति हुई है ;

(ख) उपर्युक्त रेल लाइन का निर्माण कार्य कब तक पूरा होने की संभावना है ; और

(ग) क्या क्षेत्रीय मांग को देखते हुए सरकार इन्दौर-महू-पीतमपुर रेल लाइन (जिसका बड़ी लाइन में परिवर्तन करने सहित) का निर्माण कार्य आरंभ करने पर विचार करेगी ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) जी हां । प्राक्कलित लागत 297.14 करोड़ रुपए है । चालू वर्ष के लिए बजटीय प्रावधान 1 करोड़ रुपए है । देवास-मक्सी खंड पर निर्माण कार्य प्रगति पर है और प्रगति 19.5% है ।

(ख) इसका पूरा होना आगामी वर्षों में संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करेगा ।

(ग) संसाधनों की तंगी के कारण ऐसा करना संभव नहीं होगा ।

उत्तर प्रदेश में बड़ी रेल लाइनें

3047. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 31 मार्च, 1992 की स्थिति के अनुसार, उत्तर प्रदेश में कितनी प्रतिशत बड़ी रेल लाइनें थी ;

(ख) गत वर्ष कितने प्रतिशत बड़ी लाइन बिछाने का प्रस्ताव था तथा उत्तर प्रदेश के कौन-कौन से क्षेत्र इससे संबंधित थे ; और

(ग) इस पर कितनी धनराशि खर्च किए जाने का प्रस्ताव है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) 31-3-91 को (उपलब्ध नवीनतम आकड़ों के अनुसार) उत्तर प्रदेश में बड़ी लाइन की मार्ग लंबाई भारतीय रेलवे की बड़ी लाइन की मार्ग लंबाई का 17.81% थी और उस राज्य की कुल मार्ग लम्बाई का 69.61% थी ।

(ख) और (ग) 1991-92 के दौरान उत्तर प्रदेश में लगभग 9% नई लाइन खोलने का लक्ष्य रखा गया है । उत्तर प्रदेश क्षेत्र में यह लाइन रामपुर बिलासपुर (27.50कि.मी.) थी, जो रामपुर-न्यू हलद्वानी परियोजना का एक हिस्सा थी, जिसके लिए वर्ष 1991-92 के दौरान 15 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई थी ।

उत्तर प्रदेश में नई रेल लाइनों का बिछाया जाना

3048. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तर प्रदेश सरकार ने केन्द्रीय सरकार को राज्य में नई रेल लाइनें बिछाने के संबंध में प्रस्ताव भेजे हैं ?

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उस पर क्या कार्रवाई की गई है ; और

(ग) उस राज्य में बिछाई जा रही अन्य रेल लाइनों का ब्यौरा क्या है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) जी हां ।

(ख) यह प्रस्ताव फर्रुखाबाद से हरदोई/सांडिला तक नई लाइन के निर्माण के लिए था, जिस पर भारी निवेश अपेक्षित होने और प्रस्तावित लाइन अलाभप्रद प्रकृति की होने के कारण विचार नहीं किया जा सका ।

(ग) राज्य में बिछाई जा रही अन्य लाइनें हैं :-

गुना–इटावा (ब.ला.) वरास्ता शिवपुर–ग्वालियर–भिंड

मथुरा–अलवर (ब.ला.)

रामपुर–न्यू हलद्वानी (ब.ला.)

बगहा–छितौनी (मी.ला.)

उत्तर प्रदेश में रेल लाइनें

3049. **श्री ईश दत्त यादव**: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तर प्रदेश में कुछ रेल लाइनें पुरानी और जर्जर हैं ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या इन रेल लाइनों के नवीकरण की कोई योजना है ; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन): (क) कतिपय लाइनों पर कहीं-कहीं रेलपथ का नवीकरण अपेक्षित हो गया है।

(ख) किसी समूची लाइन का नवीकरण अपेक्षित नहीं हुआ है। यद्यपि मुख्य लाइनों पर रेलपथ का कहीं-कहीं नवीकरण अपेक्षित हो गया है, लेकिन नवीकरण का बकाया काम अधिकांशतः शाखा लाइन प्रणाली पर है।

(ग) रेलपथ नवीकरण के कार्यक्रम हर वर्ष बनाये जाते हैं तथा इनमें ट्रैफिक मार्गों तथा यातायात के उच्च घनत्व वाली अन्य लाइनों को उच्चतर प्राथमिकता दी जाती है। इसके अलावा, बड़ी लाइन में आमान परिवर्तन की परियोजनाओं से मीटर लाइन प्रणाली पर नवीकरण का बकाया काम काफी कम होता जा रहा है।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

Candidates Selected for IOW Grade III

3050. SHRI SHABBIR AHMAD SALARIA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether the Railway Recruitment Board, Ajmer sent to the General Manager, Northern Railway a list of candidates selected for the posts of IOW Grade III during the last six months of 1991, if so, what are the meritwise names of candidates declared medically fit out of them;

(b) whether some of them have already been offered appointment|sent for training; if so, what are their names and their respective merit position;

(c) whether the claims of some of them with higher merit position have been ignored in offers of appointment|training made so far, if so, what are the reasons therefor and by when the rest are likely to be given offers; and

(d) whether some of them are being considered for apopintment as PWI instead of IOW, if so, what are the reasons for changing the category and the meritwise names of such candidates and by when these appointments are likely to be made?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN): (a) and (b) Railway Recruitment Board, Ajmer had sent a panel of 52 selected candidtaes for the posts of Inspector of Works Grade III in scale Rs. 1400—2300 (RPS). 48 of them were declared medically fit and offered appointment. 34 have reported so far and sent for training. Details are given in the statement attached. (*See* below)

(c) No, Sir.